HISTORY

B.A.PART-I (Hons)

Paper-II (The Rise of Modern west)

Unit-III, (Development of Spain As National State)

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 79

"राष्ट्रीय राज्य के रूप में स्पेन का विकास"

(Devlopment of Spain As National State)

आधुनिक युग के आरम्भ में पिरेनीज पर्वतों के दक्षिण में स्थित स्पेन यूरोप का सर्वाधिक शक्तिशाली राज्य था। स्पेन मध्य युग में कई क्षेत्रीय राज्यों में विभाजित था जिनके बार्सीलोना, अरागान, नवार, केस्टाइल और लियोन प्रमुख थे। अरब मुस्लिम आक्रमणकारी स्पेन की सबसे बड़ी समस्या थे जिन्हें मूर कहा जाता था। 8वीं शताब्दी के आरम्भ में इन मुस्लिम आक्रमणकारियों ने स्पेन पर आक्रमण किया था। स्पेन के मूल ईसाईनिवासियों ने भागकर पहाड़ों में शरण ली और आक्रमणकारियों के विरुद्ध युद्ध करते रहे। स्पेन के लोगों ने

DR Guddy Kumari (A.N.D College)

कालान्तर में उन्हें उत्तरी और मध्य स्पेन से खदेड़ दिया। 15वीं शताब्दी तक दक्षिण में ग्रेनाडा को छोड़कर स्पेन के सभी भाग मुसलमानों से मुक्त हो गये थे। अन्य ईसाई क्षेत्रीय राज्यों में वैवाहिक सम्बन्धों द्वारा एकता स्थापित हुई। अरागान और बार्सीलोना 12वीं शताब्दी में संयुक्त हो गये। केस्टाइल और लियोन एक शताब्दी बाद संयुक्त हो गये। पुर्तगाल 1293 ई. तक अपना एकीकरण पूरा कर चुका था लेकिन स्पेन का एकीकरण इसके 200 वर्ष बाद पूरा हुआ। 1479 ई. में केस्टाइल की राजकुमारी ईसाबेला के साथ अरागान के राजकुमार फर्डिनण्ड का विवाह हुआ। स्पेन का राजनीतिक एकीकरण इन दोनों राजवंशों के संयुक्त होने से आरम्भ हुआ। 1492 ई. में ग्रेनाडा तथा 1512 ई. में नेवारे को जीतकर फर्डिनेण्ड ने स्पेन का राजनीतिक एकीकरण पूरा कर दिया।

यद्यपि उस प्रकार की एकता स्पेन के राष्ट्रीय राजतन्त्र में नही थी जैसी इंग्लैण्ड या फ्रान्स में थी फिर भी स्पेन में राष्ट्रीय भावना को पर्याप्त शक्ति प्राप्त थी। स्पेन ने फार्डिनेतड और ईसाबेला के शासन काल में सामुद्रिक खोज और उपनिवेशवाद

DR Guddy Kumari (A.N.D College)

की नीति आरम्भ की जिसने 16वीं शताब्दी में स्पेन को यूरोप का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बना दिया।

गृह नीति-- स्पेन के राष्ट्रीय राज्य में फर्डिनेण्ड और ईसाबेला के संयुक्त शासन के अन्तर्गत निरंकुश राजतन्त्र की स्थापना हुई। केन्द्रीयकृत शासन तथा धार्मिक एकता स्थापित करना उनकी गृह नीति का मूल उद्देश्य था। इसके लिये उन्होंने स्वतन्त्र नगरों की सत्ता को समाप्त कर दिया। नगरों ने उपद्रवी सामन्तों से अपनी रक्षा करने के लिये नगरों ने संघ बना लिया था इस संघ को फार्डिनेण्ड ने अपने संरक्षण में ले लिया और उनकी सेनाओं को राज्य की सेनाओं में सम्मिलित कर लिया गया। सामन्तों की शक्ति को भी फर्डिनेण्ड ने नष्ट कर दिया। उनके दुर्ग नष्ट किये गये और सेनाएँ विघटित कर दी गई। अमीरों को पेन्शन, अनुदान आदि बन्द कर दिये गये। आन्तरिक शान्ति की स्थापना के लिये डाकुओं का दमन किया गया और आवागमन के मार्गो को सुरक्षित तथा विकसित किया गया। व्यापार और वाणिज्य को राजकीय संरक्षण प्रदान करना फर्डिनेण्ड का एक महत्वपूर्ण कार्य था। राजशक्ति को स्थायी सेना के निर्माण से सुदृढ़ किया गया। शक्तिशाली जहाजी बेड़े का निर्माण किया

DR Guddy Kumari (A.N.D College)

गया और स्पेन उपनिवेशों की स्थापना से समृद्धिशाली राज्य हो गया।

धार्मिक नीति-- फर्डिनेंड और ईसाबेला की धारणा थी कि चर्च पर भी राज्य का नियन्त्रण होना चाहिये। उन्होंने धार्मिक एकता को भी राष्ट्रीय एकता के लिये आवश्यक समझा। उन्होंने इसके लिये कैथोलिक चर्च के प्रति निष्ठा प्रकट की जिससे प्रसन्न होकर फर्डिनेण्ड को पोप ने कैथोलिक सम्राट की उपाधि प्रदान की। पोप ने स्पेन में चर्च के अधिकारियों की नियुक्ति स्पेन के राजा के हाथों होना स्वीकार किया। इनक्वीजीशन या धार्मिक न्यायालय धार्मिक एकता को स्थापित करने के लिये स्थापित किये गये जो धर्म-विरोधियों को दण्ड देते थे। इस प्रकार स्पेन से मुसलमानों तथा यहूदियों को निकाल दिया गया। अनेक विरोधियों को मृत्यु दण्ड देकर उन्हें जला दिया गया। इससे राजा की निरंकुश सत्ता को पादरी तथा अन्य जनसाधारण ने स्वीकार कर लिया।

विदेश नीति-- फर्डिनेंड और ईसाबेला ने निरंकुश राजतंत्र की स्थापना के साथ-साथ स्पेन को यूरोप का अग्रणी राज्य भी बनाया। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिये उन्होंने उपनिवेशों की स्थापना पर बल दिया और फ्रांस को एकाकी और दुर्बल बनाये

DR Guddy kumari (A.N.D College)

रखने का कार्य किया। कोलम्बस ने 1492 ई. में अमेरिका की खोज की। इसके बाद नई दुनिया में उपनिवेश स्थापना तथा व्यापार की वृद्धि का कार्य आरम्भ हुआ और स्पेनी साम्राज्य की नीव डाली गई। स्पेन ने भूमध्य सागर तथा यूरोप में प्रभुत्व की स्थापना के लिये नेपिल्स, सिसली और सार्डिनिया पर अपने प्रभुत्व का दावा किया। स्पेन ने इस दावे के समर्थन में फ्रान्स से युद्ध करके उसे पराजित किया जो जा इटली में स्पेन के प्रभाव का विरोधी था। फर्डिनेण्ड ने यूरोप में स्पेन की स्थिति को वैवाहिक संबंधों द्वारा सुदृढ बनाया। 1516 में जब फर्डिनेण्ड की मृत्यु हुई तब तक स्पेन यूरोप का अग्रणी राष्ट्र बन चुका था।

Thanks

DR Guddy kumari (A.N.D College)